

| | | | |
|--|-----|---|-----|
| Θ'. Περὶ θαλάσσης. | 45. | Θ'. Περὶ κομπαζόντων καὶ φυαιζόντων. | 81. |
| Γ'. Περὶ θυγατέρων. | 49. | Γ'. Περὶ κρειττόνων· καὶ ὅτι οὐ δεῖ πρὸς κρείτ- | 84. |
| ΙΑ'. Περὶ τοῦ μὴ θαρρέειν τινι, ὡς ἔτυχεν. | 52. | τους φιλονεικεῖν. | |
| ΙΒ'. Περὶ θερισμοῦ καὶ τρυγκτοῦ. | 52. | ΙΑ'. Περὶ κρίματος καὶ δικαιοσύνης Θεοῦ· καὶ | |
| ΙΓ'. Περὶ θηρευτῶν. | 52. | ὅτι τὰ πρὸς ἀξίαν ἐκάστῳ νέμει, καὶ πρό- | |
| ΙΔ'. Περὶ θυσιαστηρίων καὶ θυσίας ἱερατικῆς· | | σωπον ἀνθρώπου οὐ λαρικήνει. | 84. |
| κεῖται ἐν τῷ ε στοιχείῳ τοῦ σ'. τίτλ. οὐ ή | | ΙΒ'. Περὶ καρδίας καθαρῆς καὶ συνειδήσεως. | 88. |
| ἀρχή, περὶ Ἐκκλησίας, καὶ οἶκου Θεοῦ. | | ΙΓ'. Περὶ κακοῦ συνειδότος. | 89. |
| ΙΕ'. Περὶ θυμάδους· κεῖται ἐν τῷ π στοιχείῳ | | ΙΔ'. Περὶ κόρου· κεῖται ἐν τῷ γ στοιχείῳ τοῦ | |
| τοῦ Ε'. τίτλ. οὐ ή ἀρχή, περὶ προπετοῦς. | | ΙΓ'. τίτλ. οὐ ή ἀρχή, περὶ γαστριμαργίας. | |
| | | ΙΕ'. Περὶ καταφρονούντων· κεῖται ἐν τῷ μ στο- | |
| | | χείῳ τοῦ σ'. τίτλ. οὐ ή ἀρχή, περὶ μισέρ- | |
| | | γων. | |

Στοιχεῖον I.

Τίτλοι

| | |
|---|-----|
| Α'. Περὶ ἴαμάτων ὑπὸ Κυρίου καὶ τῶν προφη- | |
| τῶν γινομένων. | 52. |
| Β'. Περὶ ἱερατικῶν· καὶ ὅτι οὐκ ἔξεστιν ἴδιω- | |
| τεύοντις ἀπτεσθαι ἱερατικοῦ σκεύους. | 57. |
| Γ'. Περὶ ἵκετευόντων· καὶ ὅτι χρὴ τὰς ἵκεσίας | |
| τῶν δεομένων προσέσθαι. | 60. |
| Δ'. Περὶ ἴσοτητος· καὶ ὅτι χρὴ τὰ πρὸς ἀξίαν | |
| ἐκάστῳ νέμειν, καὶ μὴ σφάλλειν ἐν τῇ κρί- | |
| σει τοῦ τοιούτου. | 60. |
| Ε'. Περὶ ἴατρῶν καὶ ἴατρείας. | 61. |
| Ϛ'. Περὶ ἴματίων· καὶ ὅτι οὐ δεῖ ἴματισμῷ πο- | |
| λυτελεῖ κεχρῆσθαι, ἢ ἄνδρα ἢ γυναῖκα. | 61. |
| Ζ'. Περὶ ἴσοτητος· καὶ ὅτι ἵση τὰξις παρὰ Θεῷ | |
| πάντων. | 65. |

Στοιχεῖον K.

Τίτλοι

| | |
|--|-----|
| Α'. Περὶ κριμάτων Θεοῦ· καὶ ὅτι οὐ χρὴ δυσφο- | |
| ρεῖν ἐφ' οἰς δίκαιοι μὲν δυσπραγοῦσιν, ἀδί- | |
| κοι δὲ εὐπαθοῦσι. | 65. |
| Β'. Περὶ καταλαλιᾶς· καὶ ὅτι καταλαλιά ἔστι | |
| λόγος ψευδῆς, κατά τινος λεγόμενος. | 72. |
| Γ'. Περὶ καιροῦ· ὅτι δεῖ τὸν καιρὸν ἐξαγοράζειν· | |
| καὶ ὅτι πάντα καιρὸν ἔχει τοῦ λέγεσθαι | |
| καὶ γίνεσθαι. | 73. |
| Δ'. Περὶ κολάκων καὶ παραστῶν, καὶ γελουκ- | |
| στῶν· καὶ ὅτι χρὴ φεύγειν αὐτούς. | 76. |
| Ε'. Περὶ κλεπτῶν. | 80. |
| Ϛ'. Περὶ κτηνῶν καὶ προνοίας αὐτῶν. | 80. |
| Ζ'. Περὶ καυχήσεως καὶ ἐπάρσεως· καὶ ὅτι ἐπ' | |
| οὐδὲν τῶν ἐν τῷ βίῳ χρὴ καυχᾶσθαι καὶ | |
| ἐπαίρεσθαι. | 80. |
| Η'. Περὶ κάλλους· σώματος, καὶ ὠραιότητος. | 81. |

Στοιχεῖον A.

Τίτλοι

| | |
|--|------|
| Α'. Περὶ λογομαχούντων καὶ ἀμφισθητούντων | |
| περὶ τὴν πίστιν. | 92. |
| Β'. Περὶ λοιδορίας. | 93. |
| Γ'. Περὶ λιμοῦ, καὶ εἰς τοὺς ἐν ἀνάγκῃ τὸν σῖ- | |
| τον μὴ πωλοῦντας· καὶ ὅτι πολλὰ ἀθεμα | |
| τοῦ λιμοῦ. | 96. |
| Δ'. Περὶ λουπέων, (ἥτοι ἀνθρώπων ὑπὸ τρυ- | |
| φῆς διαχέρεοντων, καὶ τοῖς ἐνδεέσι μὴ έσο- | |
| θούντων). | 101. |
| Ε'. Περὶ λύπης· κεῖται ἐν τῷ θ στοιχείῳ τοῦ | |
| Ε'. τίτλου, οὐ ή ἀρχή, περὶ θλιβομένων. | |

Στοιχεῖον M.

Τίτλοι

| | |
|---|------|
| Α'. Περὶ μυστηρίων, καὶ τῶν ἐκφερόντων μυ- | |
| στήρια. | 104. |
| Β'. Περὶ μισοπονηρίας, καὶ τῶν ἀρεσκόντων | |
| Θεῷ. | 104. |
| Γ'. Περὶ μετανοίας καὶ ἐξομολογήσεως. | 104. |
| Δ'. Περὶ τῶν μὴ μετανοούντων, καὶ ῥάθυμούν- | |
| των. | 152. |
| Ε'. Περὶ μεθυόντων. | 156. |
| Ϛ'. Περὶ μισέργων, καὶ ὀκνηρῶν, καὶ ῥάθυμούν- | |
| των, καὶ καταφρονούντων. | 168. |
| Ζ'. Περὶ μίσους καὶ ἔχθρας, καὶ διαστάσεως, | |
| καὶ τῶν μάχας συναπτόντων, καὶ φιλονε- | |
| κούντων. | 169. |
| Η'. Περὶ μεταμελείας Θεοῦ· καὶ ἐν τίσιν ὁ Δη- | |
| μιουργὸς μετεμελίθη. | 172. |

